

प्रसाचारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- कण्ड 3---- उपकण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 459

नई विल्ली, सोमवार, विसम्बर 28, 1970/पौष 7, 1892

No. 459] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 28, 1970/PAUSA 7, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जावी है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में राजा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th December 1970

S.O. 4095.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Rohtak Krishna Trading Company Private Ltd., Rohtak, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act recognition to the said association for a period of three years from the 28th December, 1970 to the 27th December, 1973 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

The recognition hereby granted is subject to the condition that the said associations shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(4)-I·T/70.]

R. K. TALWAR, Jt. Secy-

श्रीयौगिक विकास तथा श्रांतरिक व्यापार मंत्रालय

(झांतरिक व्यापार विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1970

का॰ प्रा॰ 4095.—केन्द्रीय सरकार, ग्रिप्तम संविदा (विनियमन) ग्रिधिनयम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के ग्रिधीन रोहतक कृष्णा द्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, रोहतक द्वारा मान्यता के लिए किये गये श्रावेदनों पर, वायदा बाजार ग्रायोग के परामर्श से विचार करके श्रीर यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में भीर लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त श्रिधिनयम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संगम को गुड़ में श्रीप्रम संविदाशों के बारे में, 28 दिसम्बर, 1970 से लेकर 27 दिसम्बर, 1973 तक (जिसमें ये वोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की तीन वर्ष की कालाविध के लिए मान्यता प्रदान करती हैं।

2. एतद्शारा प्रवस्त मान्यता इस घर्त के श्रधीन है कि उक्त संगम ऐसे निदेशों का श्रनु-पालन करेंगे जो वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[सं० 12 (4)-प्राई० टी०/70]

भार० के० तलवार, संयुक्त सचिव ।